

न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर सरिया (गिरिडीह)

वादासंख्या 82 2021 1002/80/10

प्रथम पक्ष
~~सुरम तुरी वगैरे~~ बनाम ~~प्रखार मिया वगैरे~~

द्वितीय पक्ष

धारा 144 दं० प्र० सं० के अन्तर्गत कार्यवाही / नोटिस-

स्थानीय पुलिस ~~विरनी~~ (अं०अ) थाना से प्राप्त प्रतिवेदन, जिसे पुलिस निरीक्षक द्वारा अग्रसरित किया गया है, के अवलोकन से ऐसा प्रतीत होता है कि ~~उभय पक्षों में भूमि से संबंधित~~ विवाद

के कारण उभय पक्ष के बीच शांति-भंग होने की आशंका है एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर है, जिसके कारण उस क्षेत्र में शांति-भंग, खून-खराबा तथा उपद्रव हो सकता है, जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

इन तथ्यों में आलोक में उभय पक्ष के विरुद्ध धारा 144 दं० प्र० सं० के अन्तर्गत कार्यवाही प्रारम्भ किया जाता है तथा उभय पक्ष को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोकता जाता है साथ ही उभय पक्ष से दिनांक 01/07/2021 के कारण-पृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्मूष्ट किया जाय।

विवादग्रस्त भूमि का विवरण

प्रीति - जेप्रतसिंचा, पाना - विरनी, पिला - गिरिडीह
 खाता सं० - 21, प्लॉट सं० - 11/16, रकबा - 2.60 एकड़
 पौ० - 30 - सिमाना कुलमा, 40 - बोचा - पियां प्लॉट सं० - 08
 50 - बगदु रिह, 60 - सिमाना कुलमा

लेखानि

अनु० 90/10

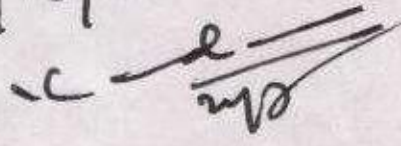
बगोदर - सरिया

अनु० 90/10
 01/07/2021

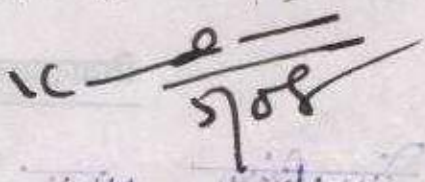
01/08/2021 अदिलख उपस्थित। उभय पक्ष
अनुपस्थित।
अदिलख 24/08/21 को रखें।

~~22-08-21~~
22-07-2021

अभिषेक उपस्थित
उभय पक्ष उपस्थित। A.C. etc by
next date. To 24/08/21.



05/08/21 उभय पक्ष उपस्थित। डिनेच पक्ष
बिलम्ब से उपस्थित। डिनेच पक्ष
द्वारा कारण प्रस्ताव दर्शाया।
डिनेच हेतु 12/08/21 को
रखें।



12/08/21 उभय पक्ष उपस्थित। Perused
the petition filed by the petitioner
as well as show cause by the
O.P. and carefully considered.
Also considered the documents filed
by the both the parties. Earlier no
order has been passed u/s 144(1) Cr.P.C.

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>There is no report of breach of peace from either side. The period of sixty days from the date of notice has passed. Hence it is ordered that the instance case is filed.</p> <p style="text-align: right;">12/08/21</p>	